Received: Jul '25
Revised:
Accepted: Aug '25

© 2025 by the authors. This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY) license (https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/).

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन

शोध निर्देषक :
डॉ. ऋतु बाला
(सहायक आचार्य)
टांटिया विश्वविद्यालय

शोधकर्ता :
शिवानी चावला
टांटिया विश्वविद्यालय

ABSTRACT

प्रस्तुत शोधकार्य में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन'' किया गया हैं। अध्ययन में प्राप्त आंकडों के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त किये गए है।निष्कर्ष रूप में देखा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रति उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति औसत स्तर की पायी गयी। छात्र व छात्राओं की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर ज्ञात नहीं हुआ है

प्रस्तावना :–

शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने, एक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज के विकास और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना वैश्विक मंच पर सामाजिका न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण के संदर्भ में भारत की सतत प्रगति और आर्थिक विकास की कुंजी है। सार्वभौमिक उच्चतर स्तरीय शिक्षा वह उचित माध्यम है, जिससे देश की समृद्ध प्रतिभा और संसाधनों का सर्वोत्तम विकास और संवर्द्धन व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व की भलाई के लिए किया जा सकता है। अगले दशक में भारत दुनिया का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश होगा और इन युवाओं को उच्चतर गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराने पर ही भारत का भविष्य निर्भर करेगा।

भारत द्वारा 2015 में अपनाए गए सतत् विकास एजेंडा 2030 के लक्ष्य 4 (एसडीजी 4) में परिलक्षित वैश्विक शिक्षा विकास एजेंडा के अनुसार विश्व में 2030 तक 'सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करने और जीवन–पर्यन्त शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा दिये जाने'' का लक्ष्य है। इस तरह के उदात्त लक्ष्य के लिए संपूर्ण शिक्षा प्रणाली को समर्थन और अधिगम को बढ़ावा देने के लिए पुनर्गठित करने की आवश्यकता होगी, ताकि सतत् विकास के लिए 2030 एजेंडा के सभी महत्वपूर्ण टार्गेट और लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त किये जा सकें।

समस्या कथन :–''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन''

अध्ययन के उद्देश्य :–

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति को जानना।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ :–

1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का स्तर औसत है।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।

न्यादर्श :–

प्रस्तुत शोध में श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया, जिसे निम्नांकित सारणियों द्वारा प्रस्तुत किया गया है :–

विद्यालय / विद्यार्थी	राजकीय विद्यालय		गैर राजकीय विद्यालय		कुल
	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
छात्र	50	50	50	50	200
छात्राएँ	50	50	50	50	200
कुल	100	100	100	100	400

शोध में प्रयुक्त उपकरण :–

संबंधित शोध कार्य में शोधकर्त्री ने उच्च माध्यमिक स्तर के अध्यापकों व विद्यार्थियों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति अभिवृत्ति को जानने के लिए स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी का उपयोग किया।

प्रदत्तों का विश्लेषण व विवेचन –

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का स्तर औसत है।

चर	अध्यापकों की संख्या	मध्यमान	वर्गान्तर	आवृत्ति	अभिवृत्ति का स्तर	परिणाम
राष्ट्रीय षिक्षा नीति, 2020 के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति	400	24.77	36—44	59	अति उच्च	अध्यापकों की राष्ट्रीय षिक्षा नीति के प्रति अभिवृत्ति औसत स्तर की है
			27—35	127	उच्च	
			18—26	124	औसत	
			9—17	58	निम्न	
			0—08	32	अति निम्न	

उक्त तालिका के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति के आंकड़ों का विश्लेषण कर प्राप्त मूल्यों को प्रदर्शित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की उक्त अभिवृत्ति के आंकड़ों का मध्यमान 24.77 प्राप्त हुआ है, जिससे स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति अभिवृत्ति औसत स्तर की पाई गई है। अतः उपरोक्त परिकल्पना ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का स्तर औसत है'', स्वीकृत होती है।

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।

क्र. सं.	विद्यार्थी	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	प्रमाणिक त्रुटि	क्रान्तिक अनुपात	परिणाम
1	छात्र	200	23.46	13.49	1.37	1.39	सार्थक अन्तर नहीं है।
2	छात्राएँ	200	25.36	13.87			

उक्त शून्य परिकल्पना में उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र व छात्राओं की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रति अभिवृत्ति से सम्बन्धित प्रदत्त विश्लेषण किया गया, जिसमें 200 छात्र एवं 200 छात्राओं के न्यादर्श से दत्त संकलन किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण के उपरान्त ज्ञात किया गया कि छात्र व छात्राओं का मध्यमान क्रमशः 23.46 व 25.36 तथा प्रमाण विचलन का मूल्य क्रमशः 13.49 व 13.87 ज्ञात हुआ है। क्रान्तिक अनुपात का मूल्य 1.39 प्राप्त हुआ। यह मूल्य स्वतन्त्रता की डिग्री 398 के आधार पर प्रमाणिक तालिका के स्तर 0.01 व 0.05 के मान क्रमशः 2.57 व 1.96 से कम है। अतः उपरोक्त शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है तथा सिद्ध होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र व छात्राओं की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष :–

1 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मकता पायी गयी। प्राप्त परिणामों से यह ज्ञात हुआ कि उपरोक्त विद्यार्थियों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रति अभिवृत्ति भी औसत स्तर की है। इस नीति के लागू होने के उपरान्त शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों के सम्बन्ध में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में कुछ हद तक सहमति प्रदर्शित की है।

2 राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 को प्रभावशाली बनाने और पूर्ण तौर पर लागू करने के लिए छात्र व छात्राओं का दृष्टिकोण भी सकरात्मक होना आवश्यक है। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की नई शिक्षा नीति के सम्बन्ध में अभिवृत्ति का अध्ययन करने से निष्कर्ष निकाला गया कि छात्र व छात्राओं की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर ज्ञात नहीं हुआ है क्योंकि छात्र व छात्राएँ शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों को साधारणतः स्वीकार कर लेते हैं। चाहे उन्हें स्वीकार करने में थोड़ा समय लगता है। इसलिए छात्र व छात्राओं की शिक्षा नीति के सम्बन्ध में अभिवृत्ति में समानता पायी गई।

भावी शोध हेतु सुझाव –

1. भावी शोध के लिए शोध का क्षेत्र विस्तृत किया जा सकता है।
2. आगामी शोध के लिए निदर्शन को विस्तृत कर सकते हैं।
3. केन्द्रीय अथवा नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों व अध्यापकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति सम्बन्धी अभिवृत्ति का अध्ययन किया जा सकता है।
4. अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम के विद्यालयों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन आगामी शोध का विषय हो सकता है।
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के दौरान वर्तमान शैक्षिक परिस्थितियों का अध्ययन भी शोध का शीर्षक बनाया जा सकता है।
6. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रति संस्था प्रधानों की अभिवृत्ति को आधार बनाकर भी शोध किया जा सकता है।

सन्दर्भ सूची

1. जर्नल ऑफ एमरजिंग टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन रिसर्च वाल्यूम 9 अप्रैल 2022
2. इन्टरनेश्नल जर्नल ऑफ एप्लाईड रिर्सच 2020 6(9):109,11
3. हंस शोध सुधा वॉल्यूम 1 इशु 3 (2021) 59—62 जनवरी मार्च 2021
4. जर्नल ऑफ एडवांस एंड स्कालरली रिर्सच इन अलाईड एजूकेशन वाल्यूम 18, इश्यू 6, अक्टूबर 2021
5. भारतीय आधुनिक शिक्षा अक्टूबर 2020